महिला सरपंच का पूर्ण साक्षर गांव—समोदा

जिला दुर्ग (मध्य प्रदेश) के समोदा गांव की एक नहीं, कई खासियतें हैं। 2000 की आबादी वाला यह छोटा सा गांव तेजी से विकास की ओर बढ़ रहा है। यहां सब साक्षर हो चुके हैं।

गांव मुख्य मार्ग से पक्की सड़क से जुड़ा है। गांव में बिजली है। कुष्ठ रोगियों की अच्छी देखभाल की जाती है। रोग से मुक्त लोगों की संख्या 15 है। गांव में अपना कोई बैंक नहीं है, लेकिन पास के राजनांद गांव व सिरसा से ज़रूरी कर्ज़ा मिलता रहता है। गांव में परिवार-नियोजन भी काफी समय से है। गांव में इसीलिए खुशहाली है।

समोदा गांव में कभी झगड़े नहीं हुए। कोई पार्टीबंदी नहीं है। सब मिलजुल कर सहयोग से काम करते हैं। ऐसा कैसे मुमकिन हुआ?

महिला सरपंच

यहां कुल 11 पंच हैं जिनमें 3 महिलाएं व 8 पुरुष हैं। इनकी सरपंच है 32 वर्षीय श्रीमती गनेसिया बाई। वे आठवीं तक पढ़ी हैं। गांव में पली-बढ़ी, सीधी-सादी, मेहनतकश महिला एक खास शक्ति से प्रेरित हैं।

सेवाभाव व परिश्रम के हथियारों से लैस, तीन बच्चों की मां घर-गृहस्थी, खेती-किसनई करने के बाद भी गांव की अगुआ बन कर उभरी हैं। उनके पति छठी कक्षा तक पढ़े हैं। शादी के पांच बरस बाद गनेसिया बाई ने सार्वजनिक जीवन में प्रवेश किया।

गांव में पल बढ़कर और शक्ति अर्जित कर जब कोई गनेसिया बाई जैसी बेटी या बहू आगे आती है तो बात बनती है। गांव के उप-सरपंच मैतूराम सतनामी का भरपूर सहयोग है। भूतपूर्व मालगुज़ार श्री ताम्रकार ने अपनी इच्छा से उदारतापूर्ण 20 एकड़ जमीन सड़क से गांव को जोड़ने के लिए दी। यही कारण है कि चौमासे में बिलकुल कट जाने वाले गांव समोदा में अब बारहों महीने ट्रक दौड़ते हैं।

कुष्ठ रोगियों की सेवा

शिविर लगाकर तेल और पानी की चिकित्सा से घाव को बाकायदा छूकर और मरहम पट्टी लगाकर कुष्ठ रोगियों को ठीक किया जा रहा है। कुष्ठ रोगी समाज के अछूत व्यवहार से भीतर तक आहत हो जाता है। गनेसिया बाई ने इस मर्म को पकड़ा है। इसलिए उन्हें हर क्षेत्र में सफलता मिली है।

गांव में राजनीति की कमी नहीं है, मगर गनेसिया बाई को किसी तीन तेरह या उठापटक से कोई सरोकार नहीं है। उन्होंने घर घर जाकर लोगों को साक्षरता के प्रति जागरूक किया है।

सिरसा के ग्रामीण बैंक के प्रबंधक श्री राजेंद्र मिश्रा का पूरा सहयोग गांव वालों को मिला हुआ है। समोदा गांव बैंक की कर्जा अदायगी और खेती के उन्नत तरीकों की पहल में प्रथम स्थान रखता है।

परदेशी राम वर्मा
भिलाई (म.प्र.)